आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

5 जनवरी राष्ट्रीय पक्षी दिवस

बर्ष :13 अंक :362 पृष्ठ -4 दिनांक 05 जनवरी 2025 दिन रविवार

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के आस-पास की इन दुकानों पर होगा एक्शन

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के 2 किलोमीटर परिधि में आने वाले उन मीट-मांस की दुकानों पर होगी कारवाई

वाराणसी नगर निगम द्वारा जनपद में चलाए जा रहे मीट–मांस की दुकानों पर नियम विरुद्ध चलाने पर नोटिस जारी की जा रही है और इसमें सबसे पहले काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के 2 किलो मीटर परिधि में आने वाले मीट मांस की दुकान शामिल हैं. वाराणसी नगर निगम का कहना है कि यह सदन का भी निर्णय रहा की सबसे पहले काशी के प्रमुख धार्मिक स्थल काशी विश्वनाथ मंदिर के 2 किलोमीटर परिधि में आने वाले ऐसी दुकानों पर कार्रवाई हो. नगर में जो भी ऐसी दुकान नियम विरुद्ध चलाई जा रहे हैं उन पर वैधानिक कार्रवाई होगी.वाराणसी के नगर निगम जनसंपर्क अधिकारी संदीप श्रीवास्तव ने एबीपी न्यूज से बातचीत के दौरान कहा कि वाराणसी नगर निगम की तरफ से सबसे पहले काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के ही परिधि में आने वाले उन मीट–मांस की दुकानों पर कार्रवाई की गई है जो नियम अनुसार नहीं चल रहे हैं. प्रथम

चरण में करीब 55 दुकानों को नोटिस दिया जा चुका है. 2 प्रमुख आधार पर होती है मीट–मांस की दुकानों पर कार्रवाई संदीप श्रीवास्तव ने नोटिस जारी करने का आधार बताते हुए कहा कि ऐसे मामलों में 2 प्रमुख आधार पर कार्रवाई की जाती है, प्रथम मीट–मांस की दुकान के लिए खाद्य विभाग से दुक. नदार कों लाइसेंस प्राप्त होना आवश्यक है, दूसरा पशु के काटने के लिए एक अलग स्थान होना चाहिए. इन दो नियमों का पालन न करने पर दुकानों को नो. टिस दी जा रही है. नई सड़क क्षेत्र में 55 दुकानदारों को नोटिसप्रथम चरण में बेनियाबाग, नई सड़क क्षेत्र में 55 दुक. नदारों को नोटिस जारी कर दी गई है. इसके अलावा उन्होंने यह भी बताया कि वाराणसी नगर निगम सदन का भी यह निर्णय था कि सबसे पहले काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के 2 किलोमीटर परिधि में आने वाले उन मीट–मांस की दुकानों पर कार्रवाई हो जो नियमानुसार नहीं चल रहे हैं. अतिक्रमण हटाने के लिए प्रवर्तन दल का किया गठन उन्होंने कहा आगे भी पूरे नगर में जिन भी दुक. नों द्वारा इन नियमों का उल्लंघन होगा उनको नोटिस जारी की जाएगी और वैधानिक कार्रवाई होगी. वहीं वाराणसी में अतिक्रमण के खिलाफ चल रहे हैं अभियान को लेकर वाराणसी नगर निगम की तरफ से अतिक्रमण हटाने के लिए प्रवर्तन दल का गठन किया गया है. यह प्रवर्तन दल जोन अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर जहां से अतिक्रमण की जानकारी प्राप्त होती है वहां पर इनके द्वारा कार्रवाई की जाती है.

हर साल 5 जनवरी के दिन को राष्ट्रीय पक्षी दिवस के रूप में मनाया जाता है. प्रकृति प्रेमी, पर्यावरणविद , पक्षी प्रेमी इस दिन को उत्साह के साथ मनाते हैं. पक्षी दिवस पक्षियों के प्रति अवेयरनेस बढ़ाने और प्रेम जताने के लिए खास माना जाता है. पक्षी दिवस मनाए जाने की शुरुआत पहली बार 2002 में बॉर्न फ्री यूएसए और एवियन वेलफेयर गठबंधन द्वारा की गई थी. इसके बाद भारत समेत सभी देश पक्षी दिवस मनाते हैं.

अलीगढ़ अपर जिला मजिस्ट्रेट नगर अमित कुमार भट्ट ने अवगत कराया है कि महानगर में 06 जनवरी को गुरू गोविन्द सिंह जयंती, 14 जनवरी को हजरत अली का जन्मदिवस, 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस, 26 फरवरी को महा. शिवरात्रि, 13 से 15 मार्च तक होली का त्योहार एवं विभिन्न मा0 आयोग द्वारा समय–समय पर आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के दृष्टिगत व अन्यसंवेदनशील कारणों से आपातिक स्थिति है। शान्ति एवं कानून–व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना से इन्कार नहीं किया जा सकता है। ऐसी परिस्थिति में महानगर शान्ति–व्यवस्था,कानून–व्यवस्था एवं साम्प्रदायिक सौहार्द बनाये रखने के लिये 17 मार्च 2025 तक धारा–163(4) भारतीय नागरिक सुरक्षा तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है।

कानपुर मेयर की समाधान सभा में पहुंचे बच्चे

कानपुर ही महापौर प्रमिला पांडे समाधान शिविर में पहुंची थी, जहां वो लोगों की समस्याएं सुन रही थी तभी एक ऐसा वाकया हुआ जिसे देखकर सभा में आए सभी लोग हैरान रह गए. सभा के बीच में ही चार–पांच छोटे–छोटे बच्चे महापौर के पास पहुंच और अपनी समस्या बताने लगे. बच्चों को देखकर महापौर भी हैरान रह गईं. जिसके बाद उन्होंने बच्चों की शिकायत सुनी और तुरंत अधिकारियों को फोन कर बच्चों की मांग को 15 दिन के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए. कानपुर की महापौर प्रमिला पांडे अपने खास अंदाज के लिए जानी जाती है और सख्ती से काम करवाती है. इसी क्रम में शुक्रवार को वो कानपुर के चुन्नीगंज क्षेत्र के अंबेडकर पार्क के पास समाधान शिविर में पहुंची थी, जहां वो लोगों की समस्याओं को सुन रहीं थी. तभी महापौर के पास छोटे–छोटे बच्चे पहुंच गए. उनके हाथ में एक शिकायती पत्र भी था जिसे देखकर महापौर चौंक गईं. उन्होंने जब बच्चों को देखा तो बच्चों से उनकी चिट्ठी को लेकर सवाल किया. बच्चों को देख हैरान हो गईं महापौरबच्चों ने अपने शिकायती पत्र में लिखा था कि महापौर जी हमारे क्षेत्र में एक ही पार्क है उसकी बाउंड्री गिर चुकी है झूले भी नहीं है हम झूला भी नहीं

झूल पाते आप इसे बनवा दीजिए. बच्चों का शिकायती पत्र देखकर महापौर भावुक हो गईं और उन्होंने तत्काल अपर आयुक्त मोहम्मद आवेश और उद्यान अधीक्षक को कॉल लगाया और निर्देशित किया कि 15 दिन के अंदर इस पार्क को दोबारा बनवाकर तैयार करिए. इसमें झूले लगवा दीजिए और सुंदर बना दीजिए. महापौर ने न सिर्फ पार्क के पुनर्निमाण के निर्देश दिए बल्कि ये भी कहा कि जैसे ही ये पार्क बनेगा तो इसका उद्घाटन भी इन्हीं बच्चों से कराइए. मैं खुद उस समारोह में शामिल होने आऊंगी. महापौर की बात को सुन बच्चे खुश हो गए और तालियां बजाने लगे. इस दौरान सभा में आए सभी लोग बेहद खुश दिखे और उन्होंने महापौर की दिल खोलकर तारीफ की. इस दौरान प्रमिला पांडे ने कहा कि उन्हें इस बात का अंदाजा भी नहीं ता कि समाधान शि. विर में बच्चे अपनी समस्या लेकर आ सकते हैं. लेकिन बच्चों ने पानी समस्याएं बताई तो अपने घर में मौजूद बच्चों की याद आ गई. उन्होंने कहा कि बच्चे भग. वान का स्वरूप है फिर चाहे वो किसी के घर के हों. इन बच्चों को खेलने के लिए अच्छा पार्क ओर अच्छा माहौल जल्द दिया जाएगा अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है.

यूपी में भीषण सर्दी के बीच IMD ने जारी किया अलर्ट

उत्तर प्रदेश में कड़ाके की सर्दी की सितम जारी है.पहाड़ों से आ रही बर्फीली हवाओं के वजह से हाड़ कंपाने वाली सर्दी पड़ रही है. आने वाले दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में और गिरावट आने की संभावना जताई गई है. जिससे सर्दी और बढ़ेगी. पिछले 24 घंटों में राजधानी लखनऊ में तेजी से पारा गिरा है. वहीं मौसम विभाग ने आज भी प्रदेश के कई हिस्सों में घने कोहरे और शीत दिवस रहने का यलो अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी यूपी में आज मौसम साफ रहने का अनुमान है लेकिन पूर्वी यूपी में सुबह और शाम के समय घना कोहरे देखने को मिल सकता है. अयोध्या, वाराणसी और प्रयागराज समेत कई जिलों में सुबह से ही कोहरे की घनी चादर छाई हुई है. जिससे वाहनों को चलाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. आज पूर्वी यूपी के कई शीत दिवस रहने का भी अलर्ट जारी किया गया है. राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को तेजी से तापमान में गिरावट आई है. यहां न्यूनतम तापमान 6.6 तक पहुंच गया जो इस सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा है. जबकि अधिकतम तापमान 17.0 डिग्री सेल्सियस रहा. सर्दी की वजह से यूपी के ज्यादातर स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर दी गई है. वहीं लोगों को सर्दी से बचने की सलाह दी गई है. बहुत जरूरी हो तो ही घर से बाहर निकले. लोग सर्दी से बचने के लिए अलाव का सहारा ले रहे हैं. यूपी में शीत दिवस का अलर्टयूपी के बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, गोंडा, अयोध्या, अमेठी, प्रतापगढ़, इलाहाबाद, मिर्जापुर, सोनभद्र, चंदौली, वाराणसी, गाजीपुर, बलिया, मऊ, आजमगढ़, जौनपुर, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर, गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, महाराजगंज, संतक. बीरनगर, बस्ती और महाराजगंज में को. हरे का यलो अलर्ट जारी किया गया है. वहीं जौनपुर, प्रतापगढ़, अमेठी, बाराबंकी, रायबरेली, फतेहपुर, कौशांबी, इलाहाबाद, चित्रकूट और बांदा में शीत दिवस का अलर्ट जारी किया गया है.कानपुर–इटावा में सबसे ठंडा दिन रहायूपी में सबसे ठंडा दिन कानपुर और इटावा में रहा,यहां न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस रहा. अयोध्या में न्यूनतम तापमान 5.0, फुर्सतगंज में 5.5, अलीगढ़ और वाराणसी में 6.5, राजधानी लखनऊ में 6.6, बुलंदशहर, बाराबंकी और बलिया में 7.0, मेरठ में 7.1, फतेहपुर में 7.2, झांसी में 7.4, आगरा में 7.6 और प्रयागराज में न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस रहा.

बदायूं में एसएसपी कार्यालय में आत्मदाह की कोशिश करने वाले युवक गुलफाम के मामले में पुलिस ने तीसरे दिन भी बड़ी कार्रवाई

बदायूं सदर कोतवाल राकेश सिंह समेत तीन सिपाहियों को निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा सीओ सिटी संजीव कुमार को भी बदायूं से हटा दिया गया है और उन्हें बिसौली का सीओ बना दिया गया है। सीओ उझानी शक्ति सिंह को अब सीओ सिटी का प्रभार सौंपा गया है।पीड़ित के खिलाफ ही दर्ज किया था मुकदमाएसएसपी डॉ. ब्रजेश सिंह ने बताया कि झुलसे युवक ने 30 दिसंबर को सदर कोतवाली पुलिस को तहरीर दी थी। इसमें उसने पत्नी सनोवर समेत 10 लोगों के खिलाफ ई रिक्शा व रुपए छीनने समेत बंधक बनाने और मारपीट का आरोप लगाया था। हालांकि उस वक्त सदर कोतवाल रहे राकेश सिंह ने उसकी तहरीर अनदेखी करते हुए उल्टा उसी के खिलाफ मुकदमा लिखा था। नतीजतन गुलफाम ने नए साल के पहले दिन पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आत्मदाह का प्रयास किया।पत्नि समेत दस पर मुकदमा दर्जघटना के बाद पुलिस ने आज उस तहरीर के आधार पर गुलफाम की पत्नी सनोवर, उसके ससुराली निहाल, मुनाजिर, शाकिर, इसरार, इकरार, जैब, शाहरुख, दिनेशघटना के बाद पुलिस ने आज उस तहरीर के आधार पर गुलफाम की पत्नी सनोवर, उसके ससुराली निहाल, मुना. जिर, शाकिर, इसरार, इकरार, जैब, शाहरुख, दिनेश और मोहल्ले के सभासद पति रफीउद्दीन के खिलाफ मारपीट, बंधक बनाने, छिनैती व लूट का केस दर्ज कर लिया है। सीओ सिटी संजीव कुमार सिंह पर भी कार्रवाई हो गई। एसएसपी ने बताया कि सीओ सिटी को बदायूं से हटाते हुये इसी पद पर बिसौली भेजा है। सीओ सिटी का चार्ज सीओ उझानी शक्ति सिंह को सौंपा है।एसएसपी आफिस की थी आत्मदाह की कोशिशसदर कोतवाली इलाके के मो. हल्ला नई सराय में रहने वाला गुलफाम ई–रिक्शा चलाता है। उसने बुधवार को साल के पहले दिन एसएसपी आफिस में खुद पर केरोसिन डालकर आत्मदाह की कोशिश की और गंभीर रूप से झुलस गया।

सुरक्षित रहना सभी का मौलिक अधिकार, हिंसा किसी भी रूप में अस्वीकार्य है चाहे वह घर में हो या सड़क पर।

कैमरामैन इंन्द्रपाल

जननायक सम्राट/संवाददाता अमित कुमार कासगंज एक ऐसा समाज बनाएं जहां हर महिला खुद को सुरक्षित महसूस करे, हर महिला सुरक्षित रहने की हकदार है यह सभी का मौलिक अधिकार है , हिंसा किसी भी रूप में अस्वीकार्य हैरू चाहे वह घर में हो या सड़क पर।, अपने दोस्तों, परिवार और समुदाय के लोगों को महिलाओं के खिलाफ हिंसा के बारे में बताएं।यदि आप किसी महिला को हिंसा का शिकार होते हुए देखते हैं, तो तुरंत मदद करें और पुलिस को सूचित करें।लैंगिक समानता को बढ़ावा दें और महिलाओं को सम्मान दें।पुलिस अधीक्षक कासगंज अंकिता शर्मा के के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक कासगंज नोडल अधिकारी मिशन शक्ति राजेश भारती के पर्यवेक्षण में जनपद के समस्त थानाक्षेत्रों में महिला बीट पुलिस अधिकारियों द्वारा गांव–कस्बों, स्कूल–कालेजों, बस स्टैण्ड सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण कर प्राथमिकता के आधार पर महिला एवं बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में जनजागरुकता अभियान चलाया जा रहा है तथा महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है इसी क्रम जनपदीय महिला बीट पुलिस अधिकारियों द्वारा प्राथमिकता के आधार पर महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति होने वाली हिंसा के संबंध में जागरूक किया गया एवं बताया कि सभी को एकजुट होकर महिलाओं के खिलाफ हिंसा के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। यह एक ऐसा मुद्दा है जो न केवल समाज बल्कि पूरे देश को प्रभावित करता है। घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, छेड़छाड़, और अन्य प्रकार की हिंसा महिलाओं के जीवन को अप्रत्याशित रूप से प्रभावित करती है। घरेलू हिंसा एक गंभीर सामाजिक समस्या है जो दुनिया भर में लाखों परिवारों को प्रभावित करती है। यह एक ऐसा अपराध है जो शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आर्थिक रूप से किसी व्यक्ति को तबाह कर सकता है। यह अक्सर घर के चार दीवारों के भीतर होता है, जहां पीड़ित को बाहर की दुनिया से मदद लेने में डर लगता है। सभी को जागरुक करते हुए बताया गया कि घरेलू हिंसा के मामलो में तत्काल नजदीकी थाने अथवा 1090 पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं।

पीथमपुर में अभी नहीं जलेगा यूनियन कार्बाइड का कचरा

विरोध के बाद CM मोहन यादव ने लिया बड़ा फैसला

मध्य प्रदेश में भोपाल गैस कांड के 40 साल बाद यूनियन कार्बाइड कारखाने का 337 टन जहरीला कचरा गुरुवार की सुबह पीथमपुर इंडस्ट्रियल एरिया की वेस्ट डिपोजिट यूनिट में भेजा गया. यूनियन कार्बाइड कारखाने का जहरीला कचरा पीथमपुर आने के बीच स्थानीय नागरिकों ने शुक्रवार को दिन भर विरोध प्रदर्शन और चक्काजाम किया. साथ ही दो लोगों ने आत्मदाह की कोशिश भी की.इसके बाद सीएम मोहन यादव ने देर रात एक उच्चस्तरीय बैठक की, जिसमें डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला, डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, चीफ सेक्रेटरी अनुराग जैन, एडवोकेट जनरल और लॉ सेक्रेटरी मौजूज थे. इस बैठक के बाद मोहन यादव ने कहा, ष्राज्य सरकार जनता के हितों और सुरक्षा को प्राथमिकता देती है, इसलिए यह फैसला लिया गया है कि जनता के भावनाओं को कोर्ट के सामने रखा जाएगा. साथ ही कोर्ट का आदेश आने तक पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड का कचरा नहीं जलाया जाएगा.ष्पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के कचरे के निष्पादन के संबंध में अति आवश्यक बैठक ली।बैठक में उपस्थित सभी सदस्य एकमत हैं कि हमारा निर्णय माननीय

न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप है तथा जनता का कोई भी अहित न हो इसके लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। सरकार प्रतिबद्ध हैं कि जनता को कोई नुकसान न हो– सीएमसीएम मोहन ने कहा, ष्यूनियन कार्बाइड के कचरे पर फैलाए जा रहे भ्रम को लेकर पीथमपुर में एक जरूरी बैठक हुई. बैठक में मौजूद सभी सदस्य इस बात पर एकमत हैं कि हमारा फैसला कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप है और हम यह सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं कि जनता को कोई नुकसान न हो. सरकार इस मुद्दे पर पूरी संवेदनशीलता से काम कर रही है. पीथमपुर की वर्तमान परिस्थितियों और व्यावहारिक कठिनाइयों के बारे में हाई कोर्ट को पूरी जानकारी देंगे.

1984 में हुआ था भोपाल गैस कांड बता दें भोपाल में 2 और 3 दिसंबर 1984 की

दरमियानी रात यूनियन कार्बाइड कारखाने से अत्यधिक जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का रिसाव हुआ था. गैस के रिसाव की वजह से कम से कम 5479 लोग मारे गए थे और हजारों लोग अपंग हो गए थे. भोपाल गैस कांड को दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक आपदाओं में से एक माना जाता है.एमपी हाई कोर्ट ने 3 दिसंबर को इस कारखाने के जहरीले कचरे को हटाने के लिए चार हफ्ते की समय–सीमा तय की थी और सरकार को चेतावनी दी थी कि अगर उसके निर्देश का पालन नहीं किया गया, तो अवमानना की कार्यवाही की जाएगी.

रिजिजू ने अजमेर दरगाह पर चढ़ाई पीएम मोदी की चादर, बोले– देश में अच्छा माहौल चाहते हैं

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से चादर लेकर अजमेर शरीफ दरगाह पहुंचे हैं। पूरी दुनिया में भाईचारे इंसानियत और सांप्रदायिक सद्भाव के लिए विख्यात रा. जस्थान के अजमेर में सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 813 वें सालाना उर्स के मौके पर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से चादर पेश की गई। यहां सर्किट हाउस में अजमेर के भाजपा नेताओं की ओर से उनका भव्य स्वागत किया गया। अजमेर की दरगाह में भी दरगाह कमेटी और खादिमों की संस्थाएं अंजुमन की ओर से भी प्रधानमंत्री की भेजी चादर का स्वागत किए जाने का एक दिन पूर्व ही पदाधिकारियों ने एलान किया था। उधर, राष्ट्रीय हिन्दू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की ओर से दरगाह में संकट मोचन महादेव मंदिर होने को लेकर सिविल न्यायालय में दायर वाद पर विवाद कायम बना हुआ है। हिन्दू सेना के अध्यक्ष और हिन्दू धर्म सभा के पदाधिकारी सेवानिवृत्त न्यायाधीश अजय शर्मा ने दो बार प्रधानमंत्री को उर्स के मौके पर इस बार चादर नहीं भेजने को पत्र लिखा था। इधर, दरगाह में जायरीन की आवक बढ़ने उर्स की रौनक बढ़ने लगी है और दरगाह में उर्स की रसूमात धूमधाम से मनाई जा रही है। जनवरी महीने की 7 तारीख को उर्स की आध्यात्मिक रसूमात के तहत छठी होगी। उस दिन छोटे कुल की रस्म अदा हा. गी। वहीं 10 जनवरी को बड़े कुल पर दरगाह शरीफ को इत्र, केवड़े व गुलाब जल के छींटे से धोया जाएगा और इसके साथ ही उर्स की धार्मिक औपचा. रिक समापन हो जाएगा।देश में सद्भाव कायम रहे...इस बीच उर्स में देश दुनिया के बड़े नामचीन लोगों की ओर से चादर चढ़ाने का सिलसिला जारी है। उर्स के चलते दरगाह सहित पूरे शहर में देश के विभिन्न राज्यों से आए जायरीन की चहल पहल बढ़ गई है और दरगाह में उर्स के तहत मन्नतें मांगने, चादर चढ़ाने और अकीदत के फूल पेश करने का सिलसिला जारी है। उर्स में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से शनिवार को सुबह चादर पेश की गई। केन्द्रीय

अल्पसंख्यक मामलात कार्य मंत्री किरन रिजिजू प्रधानमंत्री की तरफ से ख्वाजा साहब की पवित्र मजार पर चादर पेश की।इस दौरान केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, विधानसभा अध्यक्ष वा. सुदेव देवनानी, शहर जिलाध्यक्ष रमेश सोनी सहित अनेक भाजपा नेता उनके साथ थे। दरगाह के बाहर किरेन रिजिजू का काफिला पहुंचते ही भाजपाइयों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। रिजिजू ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से चादर चढ़ाना पूरे देश की ओर से चादर चढ़ाने जैसा है। उन्होंने कहा कि देश में सद्भाव और भाईचारे का माहौल बना रहे। गरीब नवाज की दरगाह पर लाखों जायरीन आते हैं, जिनके लिए नई सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।हमारी संस्कृति की अनेकता में एकता को दर्शाता है रिजिजू ने कहा कि दरगाह पर उर्स के दौरान आना हमारी परंपरा है। यह सद्भाव और भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वे हजरत निजामुद्दीन की दरगाह पर भी चादर चढ़ा कर दुआ मांग कर आए है। गरीब नवाज की दरगाह पर सभी समुदायों के लोग आते हैं और दुआ मांगते हैं। यह हमारी संस्कृति की अने. कता में एकता को दर्शाता है। वेबपोर्टल का उद्घाटनमंत्री रिजिजू ने इस मौके पर अजमेर दरगाह पर गरीब नवाज ऐप और एक वेब पोर्टल का शुभारंभ भी किया। इस पोर्टल पर ख्वाजा साहब के जीवन परिचय के साथ दरगाह की सुविधाओं, गेस्टहाउस बुकिंग और सीधा प्रसारण की जानकारी दी गई है। अब जायरीन को दरगाह संबंधित जानकारी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।ख्वाजा गरीब नवाज का उर्स छह दिन तक चलता है। 813 वर्ष पूर्व रजब की पहली तारीख को ख्वाजा साहब इबादत के लिए अपनी कोठरी में चले गए और अपने मुरीदों को निर्देश दिए कि उन्हें इबादत के बीच आवाज नहीं दी जाए, जब छह दिन तक जब वे बाहर नहीं आए तो उनके मुरीदों ने कोठरी खोल कर देखा तो ख्वाजा साहब का इंतकाल हो चुका था। इस कारण ख्वाजा साहब का उर्स छह दिन तक मनाने की परंपरा हैं।जायरीन की होती है गहरी आस्था ख्वाजा गरीब नवाज के प्रति आस्था महज मुसलमानों की नहीं है बल्कि सभी धर्म के लोग दरगाह शरीफ की चौखट चूम कर श्रद्धा और विश्वास के साथ शीश झुकाते हैं और मन की मुराद भी पाते हैं। यूं तो ख्वाजा साहब की दरगाह में जायरीन के आने का सिलसिला वर्ष पर्यंत बना रहता है लेकिन उर्स का मौका कुछ खास होता है। यही कारण है कि प्रत्येक जायरीन की इच्छा उर्स के दौरान दरगाह के आस्थाने शरीफ पर माथा टेकने और मजार शरीफ पर अकीदत के फूल पेश करने की रहती है।पीएम की चादर पेश करने के दौरान विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई।दरगाह में हजारों सिपाही व पुलिस अधिकारी के अलावा स्पेशल प्रोटेक्शन फोर्स व गुप्तचर पुलिस सादावर्दी में तैनात रही। सीसीटीवी व ड्रान से चप्पे चप्पे पर नजर रखी गई।

कांग्रेस–बीजेपी को अब औपचारिक ऐलान कर देना चाहिए कि..., अरविंद केजरीवाल का बड़ा हमला

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को बीज. `पी पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी काम पर वोट मांग रही है और बीजेपी गालियों पर वोट मांगने में लगी है. अब जनता को तय करना है कि काम चाहिए या गाली. पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी तक दिल्ली में बीजेपी के पास ना मुख्यमंत्री पद का चेहरा है, ना नैरेटिव है और ना ही कोई विजन है. जबकि आप पिछले 10 साल में किए गए कामों को बता रही है और अगले पांच साल का खाका भी पेश कर रही है. उन्होंने कांग्रेस को भी आड़े हाथों लिया।प संयोजक ने आरोप लगाया कि बीजेपी और कांग्रेस एक दूसरे के साथ मिले हुए हैं. ऐसे में औपचारिक रूप से एलान कर देना चाहिए कि कांग्रेस–बीजेपी आप के खिलाफ गठबंधन में चुनाव लड़ रहे हैं. अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी ने दस वर्षों में कोई काम नहीं किया. बीज. `पी आम आदमी पार्टी को गालियां देकर चुनाव जीतना चाहती है. उन्होंने कहा कि अब जनता को तय करना है कि गालियों के नाम पर वोट देगी या काम के नाम पर. पंजाब की योजनाओं पर प्रदर्शनकारी महिलाओं को अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस और बीजेपी की कार्यकर्ता बताया।जेपी में आपदा आई हुई है– अरविंद केजरीवालउन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारी महिलाएं पंजाब की नहीं हैं. पंजाब की सभी महिलाएं आम आदमी पार्टी के साथ हैं. उन्होंने दावा किया कि पंजाब की महिलाओं को आम आदमी पार्टी पर भरोसा है. अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस–बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि पीठ पीछे गठबंधन करना ठीक नहीं है. कांग्रेस को जनता ने गंभीरता से लेना बंद कर दिया है. आप संयोजक ने कहा कि बीजेपी में तीन तरह की आपदा आई हुई है. पहली, बीजेपी के पास मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं है. दूसरी, बीज. `पी के पास नैरेटिव नहीं है. तीसरी, बीजपी के पास चुनाव का भी एजेंडा नहीं हैू.र्व मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में एक आपदा कानून– व्यवस्था की आई हुई है. दिल्ली में खुलेआम गैंगस्टर्स गोलियां चला रहे हैं और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सुनाई नहीं दे रहा है. महिलाओं की चीख–पुकार अमित शाह के कानों तक नहीं पहुंच रही है. व्यापारी गैंगस्टर्स से सुरक्षा की मांग कर रहे हैं. अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अगर अमित शाह को सरकारें तोड़ने–जोड़ने, विधायक खरीदने से फुर्सत मिल जाए तो थोड़ा सा वक्त दिल्ली की कानून–व्यवस्था पर भी दें.

हल्द्वानी शव को ले जाने के लिए सरकारी एंबुलेंस नहीं, अस्पताल प्रशासन पर उठे सवाल

सरकारी एंबुलेंस की अनुपलब्धता और अस्पताल प्रशासन की लापरवाही ने एक बार फिर मानवता को झकझोर करके रख दिया. हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल में शुक्रवार को 45 वर्षीय हेमा देवी की मौत के बाद परिजनों को शव ले जाने के लिए सरकारी एंबुलेंस नहीं मिल पाई. परिजन पूरे दिन अस्पताल प्रशासन के चक्कर लगाते रहे, लेकिन जब कोई समाधान नहीं मिला तो मजबूरी में निजी एंबुलेंस बुक करके शव को 150 किमी दूर अल्मोड़ा जिले के पैठणा गांव ले जाना पड़ा.हेमा देवी, जो अल्मोड़ा जिले के स्याल्दे भिकियासैंण ब्लॉक के पैठणा गांव की निवासी थीं, 23 दिसंबर को पेड़ से गिरने के बाद गंभीर रूप से घायल हो गई थीं. उनके परिजन तुरंत उन्हें इलाज के लिए हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल लेकर आए. उस रात उन्हें इमरजेंसी में भर्ती किया गया, और अगले दिन मेडिसिन आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया. परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल के न्यूरो विभाग ने मरीज का सही तरीके से इलाज नहीं किया. 29 दिसंबर को सुबह 8रू30 बजे हेमा देवी की मौत हो गई. मौत के बाद शव को गांव ले जाने के लिए परिजनों ने अस्पताल प्रशासन से एंबुलेंस की मांग की, लेकिन उन्हें एंबुलेंस उपलब्ध नहीं कराई गई.प्रशासन ने कहा शव को ले जाने के लिए एंबुलेंस उपलब्ध नहीं हपरिजनों ने बताया कि वे आर्थिक रूप से कमजोर हैं और सरकारी एंबुलेंस पर निर्भर थे. लेकिन प्रशासन की लापरवाही और एंबुलेंस की अनुपलब्धता के कारण उन्हें निजी एंबुलेंस बुक करनी पड़ी. निजी एंबुलेंस से शव को पैठणा गांव पहुंचाने में उन्हें भारी खर्च उठाना पड़ा. सुशीला तिवारी अस्पताल के प्राचार्य डॉ. अरुण जोशी ने बताया कि उन्होंने स्वयं हेमा देवी को मेडिसिन आईसीयू में भर्ती कराया था. उन्होंने स्वीकार किया कि अस्पताल में शव ले जाने के लिए केवल एक एंबुलेंस है, जो उस समय एक अन्य शव को लेकर पिथौरागढ़ के कांडा भेजी गई थी और शनिवार तक लौटने की संभावना थी.डॉ. जोशी ने कहा, ष्अस्पताल में सीमित संसाधनों के कारण कई बार ऐसी स्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं. एंबुलेंस की संख्या बढ़ाने के लिए उच्च अधिकारियों को लिखा जाएगा.ष यह कोई पहली घटना नहीं है जब सरकारी एंबुलेंस की कमी ने गरीब और जरूरतमंद परिवारों को निजी साधनों का सहारा लेने के लिए मजबूर किया हो. पिछले माह एक युवती ने आर्थिक तंगी के कारण अपने भाई के शव को टैक्सी की छत पर बांधकर हल्द्वानी से गंगोलीहाट (पिथौरागढ़) ले जाने की घटना ने भी प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए थे.जरूरतमंद परिवारों को मुफ्त एंबुलेंस सेवा–सीएम धामीउस घटना के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जांच के आदेश दिए थे और जरूरतमंद परिवारों के लिए मुफ्त एंबुलेंस सेवा सु. निश्चित करने के निर्देश दिए थे. बावजूद इसके, हालिया घटना ने सरकार और स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है. हेमा देवी के पति ने आंसू भरी आंखों से कहा, ष्हम गरीब लोग हैं. हमें लगा था कि सरकारी अस्पताल और एंबुलेंस हमारी मदद करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. इलाज के दौरान भी हमें सही मदद नहीं मिली. आखिरकार, अपने पैसे से निजी एंबुलेंस बुक करके हमें शव ले जाना पड़ा.इस घटना ने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के सरकार के दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारी अस्पतालों में शव ले जाने के लिए पर्याप्त एंबुलेंस का होना आवश्यक है, खासकर ऐसे मामलों में जहां मरीज गरीब और असहाय परिवार से हो. घटना के बाद राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग से उम्मीद की जा रही है कि वे इस मामले का संज्ञान लेंगे और अस्पताल में एंबुलेंस सेवाओं में सुधार करेंगे. मुख्यमंत्री ने पहले भी जरूरतमंदों को मुफ्त एंबुलेंस सेवा का वादा किया था, लेकिन इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं.सुशीला तिवारी अस्पताल की यह घटना सिर्फ एक लापरवाही का मामला नहीं है, बल्कि यह सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की खामियों को उजागर करती है. ऐसी घटनाएं न केवल मरीजों और उनके परिवारों के लिए पीड़ादायक होती हैं, बल्कि यह समाज और प्रशासन के लिए एक चेतावनी भी हैं कि स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने की जरूरत है.

700 लड़कियों से बातचीत, प्राइवेट वीडियो के नाम पर कइयों से ठगी! दिल्ली पुलिस की पकड़ में आया शातिर

राजधानी दिल्ली के वेस्ट जिले पुलिस की साइबर टीम ने एक ऐसे शातिर साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है, जो खुद को अमेरिका का मॉडल बताकर महिलाओं को जाल में फंसाता था और उन्हें ब्लैकमेल कर उनसे जबरन पैसे वसूलता था. पुलिस के मुताबिक तुषार बिष्ट नाम के आरोपी ने वर्चुअल इंटरनेशनल मोबाइल नंबर और फर्जी आईडी का इस्तेमाल कर बंम्बल, शेयरचौट और अन्य चौटिंग ऐप्स पर फेक प्रोफाइल बनाई थी. पुलिस के मुताबिक, आरोपी खुद को यूएस बेस्ड मॉडल बताकर 18 से 30 साल की लड़कियों से दोस्ती करता था. लड़कियों का भरोसा जीतने के बाद वो उनसे प्राइवेट तस्वीरें और वीडियो मंगवाता था. जैसे ही लड़कियां अपनी प्राइवेट तस्वीरें भेजतीं, आरोपी उन्हें ब्लैकमेल कर पैसों की मांग करता था. अगर कोई लड़की पैसे देने से मना करती, तो वो धमकी देता था कि उनकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कर देगा या किसी को बेच देगा.

वृद्ध भूमि स्वामी की जमीन पर दबंग भू माफिया करना करना चाहते कब्जा

अलीगढ़ थाना सिविल लाइन क्षेत्र से मामला प्रकाश में आया है उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगीराज में भू माफिया जमीन पर कब्जा करने से बाज नहीं आ रहे हैं पीड़ित जमीन स्वामी इश्तियाक पुत्र मुस्ताक निवासी हमदर्द नगर जमालपुर ने आरोप लगाते हुए बताया थाना क्वार्सी इलाका परगना महेशपुर स्थित मेरी जमीन पड़ी हुई है जिसका बैनामा मेरे नाम है कुछ भूमाफिया जमीन पर सक्रिय हो गए हैं और जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं पीड़ित ने जमीन बनवाने के लिए मटेरियल सरिया ईट बालू बदरपुर सीमेंट डलवा दिया था जिसे दबंग भूमिया उठा कर ले गए हैं काफी समय से मैं उच्च अधिकारियों से कार्रवाई की मांग के लिए चक्कर लगा रहा हूं मगर उच्च अधिकारी आदेश तो देते हैं मगर नीचे बैठे अधिकारी भू माफियाओं से साठ गांठ कर कोई कार्रवाई नहीं करते पूर्व अलीगढ़ डीएम तत्कालीन जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से कई बार कार्रवाई की मांग की मगर कोई कार्रवाई नहीं हुई कार्रवाई न होने से भूमाफियाओं के हौसले बुलंद हैं आए दिन जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं पीड़ित अपनी फरियाद लेकर एसडीएम कोल से मदद की गुहार लगायी है एसडीएम कोल ने पीड़ित को भरोसा दिया है और कार्रवाई के लिए आदेश दिए हैं

अलीगढ़ नगर निगम की बोर्ड बैठक के दौरान आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने कम मानदेय मिलने पर सभागार के बाहर जमकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया

अलीगढ़ नगर निगम की बोर्ड बैठक के दौरान आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने कम मानदेय मिलने पर सभागार के बाहर जमकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। वर्कशॉप ड्राइवर संघ के बैनर तले कर्मच. ारियों ने नगर निगम के अफसरों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए शासन ादेश को दरकिनार करने का आरोप लगाया।बाद में हंगामा बढ़ता देख बोर्ड बैठक के दौरान ही नगर आयुक्त ने कर्मचारियों से ज्ञापन लेकर कार्रवाई का आश्वासन दिया।शासनादेश 413 का और मिल रहे 277वर्कशॉप ड्राइवर संघ के अध्यक्ष शेखर जीवन ने कहा कि नगर निगम के अधिकारी कर्मचारियों के मानदेय में घोटाला कर रहे हैं। 2024 में शासन ने आदेश जारी करते हुए आ. उटसोर्सिंग कर्मचारियों को 413 रुपये प्रतिदिन निर्धारित किया गया है। वहीं 2022 के शासनादेश में यह मानदेय 365 रुपए प्रतिदिन निर्धारित था। लेकिन नगर निगम केवल 277 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से ही भुगतान कर रहा है।803 कर्मचारी हैं आऊटसोर्सिंग पनगर निगम में आउटसोर्सिंग के 803 कर्मचारी काम करते हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि मानदेय के नाम पर हर महीने लाखों का घोटाला किया जा रहा है।

स्वर्णजयंती नगर विस्तार योजना 108 आवंटियों का फंसा साढ़े आठ करोड़, 23 साल से आवंटी चक्कर काट रहे है एडीए के

अलीगढ़ विकास प्राधिकरण ने 2001 में स्वर्ण जयंती नगर विस्तार योजना शुरू की।आवंटन की प्रक्रिया में करीब 248 लोगों को एडीए ने भूमि का आवंटन किया। 108 आवंटियों को कब्जा नहीं मिल पाया।स्वर्ण जयंती नगर विस्तार योजना में आवंटियों का करीब साढ़े आठ करोड़ रुपये फंसा है। 23 साल से योजना के 108 आवंटी प्राधिकरण का चक्कर लगा रहे हैं। अलीगढ़ विकास प्राधिकरण ने 2001 में स्वर्ण जयंती नगर विस्तार योजना शुरू की। जिसकी अनुमानित लागत 4000 रुपये प्रति वर्ग मीटर निर्धारित थी। 14 हेक्टेयर में शुरू हुए आवंटन की प्रक्रिया में करीब 248 लोगों को एडीए ने भूमि का आवंटन किया। इसमें करीब पांच हेक्टेयर भूमि सीलिंग की थी। कोर्ट ने सीलिंग की जमीन को मुक्त करने का आदेश जारी कर दिया था। जिसके बाद से एडीए को वह जमीन किसान को देनी पड़ी। इसी योजना में लगभग ढाई हेक्टेयर भूमि पर किसानों ने सहमति नहीं दी और कोर्ट चले गए। जिसके बाद से लगभग सात हेक्टेयर भूमि विवादों में फंस गई। जिसके बाद से ही 108 आवंटियों को कब्जा नहीं मिल पाया। यह आवंटी लगातार प्राधिकरण का चक्कर लगा रहे हैं। इनमें कई चिकित्सक, इंजीनियर, सरकारी विभाग से लेकर प्राइवेट नौकरी करने वाले हैं। जिनकी पूरे जीवन की पूंजी इसी योजना के भूखंड आवंटन में लग गई है।योजना में 108 आवंटियों का करीब साढ़े आठ करोड़ रुपये सालों से फंसा हुआ है। आवंटन होने के बाद कब्जा नहीं मिल पा रहा है। पांच लोगों ने आवंटन निरस्त कराकर धनराशि वापस ले ली है। दो ने आवंटन निरस्त करने को आवंटन किया है।योजना में टुकड़ों में सीलिंग जमीन को एक स्थान पर किया जाएगा। इसके बाद बचे भूमि में आवंटियों को कब्जा दिलाया जाएगा। आवंटियों को कब्जा दिलाने को एडीए प्रयासरत है।

अलीगढ़ के तहसील कॉल परिसर में लेखपाल संघ के बैनर तले एक बड़ा प्रदर्शन किया

अलीगढ़ के तहसील कॉल परिसर में लेखपाल संघ के बैनर तले एक बड़ा प्रदर्शन किया गया है. इस प्रदर्शन में लेखपालों ने एंटी करप्शन टीम के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर करते हुए विरोध प्रदर्शन किया. प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य एंटी करप्शन टीम द्वारा लेखपालों की गिरफ्तारी की प्रक्रिया के खिलाफ और उनके साथ किए जा रहे व्यवहार के खिलाफ आवाज उठाई है.लेखपाल संघ के सदस्यों का कहना है कि पिछले कुछ समय से एंटी करप्शन टीम द्वारा लेखपालों को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है. आरोप लगाया गया है कि टीम के कुछ अधिकारी जबरदस्ती लेखपालों के बैग में पैसे रख देते हैं और बाद में उन्हें रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया जाता है. लेखपालों का कहना है कि उनके साथ ऐसे व्यवहार किया जा रहा है जैसे वे कोई बड़े अपराधी हों.लेखपालों का यह भी कहना है कि जब किसी भी व्यक्ति को रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है, तो उस समय की पूरी घटना का वीडियो बनाना अनिवार्य होता है. लेकिन एंटी करप्शन टीम इस प्रक्रिया को नजरअंदाज करती है. यह सवाल उठता है कि जब कानून के तहत वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य है, तो इसे क्यों नहीं किया जा रहा? लेखपालों ने आरोप लगाया कि एंटी करप्शन टीम जानबूझकर उन्हें फंसाने की साजिश कर रही है. टीम की यह कार्यवाही न केवल अनुचित है, बल्कि इससे लेखपाल समुदाय के मनोबल पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा है.मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन सौंपाइस विरोध प्रदर्शन के दौरान लेखपालों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम एसडीएम कौल को एक ज्ञापन भी सौंपा. ज्ञापन के माध्यम से लेखपालों ने अपनी चिंताओं और समस्याओं को स्पष्ट किया. उन्होंने मुख्यमंत्री से यह अनुरोध किया कि लेखपालों को निशाना बनाने और उन्हें जबरन गिरफ्तार करने की इस प्रक्रिया पर तुरंत रोक लगाई जाए. लेखपाल संघ ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया गया और स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो प्रदेश भर में बड़ा आंदोलन किया जाएगा. उनका कहना है कि यदि उन्हें न्याय नहीं मिला, तो यह प्रदर्शन केवल अलीगढ़ तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि राज्यव्यापी आंदोलन का रूप ले लेगा.ज्ञापन सौंपने के दौरान लेखपाल संघ के अध्यक्ष अवनीस बाबू ने कहा कि एंटी करप्शन टीम के द्वारा जो कार्यवाही की जा रही है, वह केवल लेखपालों को बदनाम करने और उनके मनोबल को गिराने के लिए है. उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि यदि उनकी गिरफ्तारी के दौरान उचित प्रक्रिया का पालन किया जाए, तो सच्चाई सामने आ सकती है. लेकिन, जानबूझकर इस प्रक्रिया को अनदेखा किया जा रहा है.लेखपाल संघ ने सरकार से यह अपील की है कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करें और एंटी करप्शन टीम की कार्यप्रणाली की जांच कराएं. साथ ही, यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी लेखपाल के साथ अन्याय न हो.मांगे पूरी न होने पर प्रदेशभर में धरना–प्रदर्शन किया जाएगा वरिष्ठ लेखपाल राष्ट्रीय गौरव ने अपने बयान में यह भी कहा कि यदि उनकी मांगों को नजरअंदाज किया गया, तो वे शांत नहीं बैठेंगे. उनका कहना है कि लेखपाल केवल सरकारी कर्मचारी नहीं हैं, बल्कि वे जनता और सरकार के बीच की कड़ी हैं. यदि उनके साथ अन्याय होता है, तो इसका असर आम जनता पर भी पड़ेगा. उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में यह आंदोलन और बड़ा रूप ले सकता है. उन्होंने कहा कि सभी लेखपाल मिलकर प्रदेश के हर जिले में धरना–प्रदर्शन करेंगे और जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक वे पीछे नहीं हटेंगे.अब यह देखना होगा कि सरकार और प्रशासन लेखपाल संघ की इन मांगों पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं. क्या एंटी करप्शन टीम की कार्यप्रणाली की जांच होगी? क्या लेखपालों को उनके साथ हुए अन्याय के लिए न्याय मिलेगा? यह आने वाले समय में ही स्पष्ट हो पाएगा. लेखपालों का कहना है समस्याओं का समाधान जल्द नहीं हुआ, तो यह मामला और अधिक गंभीर हो सकता है. सरकार को इस मामले को गंभीरता से लेना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी सरकारी कर्मचारी के साथ अन्याय न हो.एसडीएम कौल को सीएम योगी के नाम का ज्ञापन सौंपा गया है वहीं अलीगढ़ में हुए इस बड़े प्रदर्शन ने न केवल लेखपालों की समस्याओं को उजागर किया है, बल्कि यह भी दिखाया है कि यदि सरकारी कर्मचारियों के साथ अन्याय होता है, तो वे अपनी आवाज उठाने से पीछे नहीं हटेंगे. पूरे मामले दिग्विजय सिंह एसडीएम कोल के द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया मुख्यमंत्री के नाम से एक ज्ञापन प्राप्त हुआ है. उसे उचित माध्यम से आगे भेज दिया जाएगा.

वार्ष्णेय युवा संगठन महानगर अलीगढ़ रजिस्टर्ड का नव वर्ष स्वागत कार्यक्रम सम्पन्न

वार्ष्णेय युवा संगठन, महानगर अलीगढ (रजि), परिवार द्वारा आगरा रोड स्थित कृष्णा रिसोर्ट्स अलीगढ़ पर नववर्ष स्वागत कार्यक्रम बहुत ही जोशो खरोश के साथ सम्पन्न हुआ ।इस अवसर पर जहां एक ओर नव दमपतियो ने पुराने गानों पर नृत्य कर अपनी कला का लोहा मनवाया वही दूसरी ओर बच्चों ने भी खूब मस्ती की । चटपटे व्यंजनों ने शाम को और मसालेदार बना दिया ।इस कार्यक्रम का शुभारंभ जहां एक ओर संगठन के चेयरमेन श्री नितिन घुट्टी व संगठन के संस्थापक श्री विष्णु भैया , मुख्य सलाहकार एडवोकेट आकाशदीप वार्ष्णेय , अध्यक्ष धनंजय वार्ष्णेय ज्वेलर्स , उपाध्यक्ष भुवनेश वार्ष्णेय आधुनिक , महामंत्री मनोज वार्ष्णेय लकी ने वार्ष्णेय वंश कुलप्रवर्तक परम पूज्य श्री अक्रूर जी महाराज के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया वही दूसरी ओर संगठन के अध्यक्ष आकाशदीप वार्ष्णेय एडवोकेट , अध्यक्ष धनंजय वार्ष्णेय ज्वेलर्स , महामंत्री मनोज वार्ष्णेय लकी ने आगंतुकों को पटका पहना कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया । युवा संगठन के चेयरमेन नितिन घुट्टी ने वर्ष 2025 के लिए पदों की घोषणा करते हुए अध्यक्ष पद पर पुनः धनंजय वार्ष्णेय ज्वेलर्स , महामंत्री पद पर पुनः मनोज वार्ष्णेय लकी एवं कोषाध्यक्ष पद पर आकाश वार्ष्णेय के नाम की घोषणा की । कार्यकर्ताओं ने नई कार्यकारिणी का स्वागत अंगवस्त्र पहनाकर , मोतियों की माला पहनाकर किया । इस अवसर पर संगठन से जुड़ी महिलाओं एवं बच्चों ने खुब मस्ती की देर रात्रि तक जमकर नृत्य हुआ । घने कोहरे के मध्य अलाब ने इस रंगीन शाम को और अधिक आकर्षक बना दिया । कुल मिलाकर युवाओं ने कुल्लू मनाली और शिमला जैसे हिल स्टेशन का आनंद अलीगढ मे ही उठाया ।इस अवसर पर सेल्फी पॉइंट पर सेल्फी लेने की होड़ सी लगी रही । जादूगर अभिषेक ने जादू के करतब दिखाकर खूब मन मोहा । कई रोचक प्रतियोगिताएं भी हुई । इस अवसर पर नितिन घुट्टी , विष्णु भैया , आकाशदीप वार्ष्णेय , धनंजय वार्ष्णेय , भुवनेश वार्ष्णेय , मनोज वार्ष्णेय लकी , रोहित पीतल , अनिल अन्नू , संजीव संजू जे एम डव्लू ने सभी आगन्तुक अतिथियों का स्वागत पटका पहनाकर किया । मोहिनी घुट्टी , ज्योति वार्ष्णेय , दीपिका वार्ष्णेय, शैल गुप्ता , राजश्री वार्ष्णेय , तनु वार्ष्णेय , अनु वार्ष्णेय आदि उपस्थित रहे

अलीगढ़ के हरदुआगंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात कलाई .बंबा पर स्थित पेट्रोल पंप में अज्ञात लुटेरों ने की मारपीट

अलीगढ़ के हरदुआगंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात कलाई बंबा पर स्थित पेट्रोल पंप में अज्ञात लुटेरों ने मारपीट और लूटपाट की। संचालकों ने आरोप लगाया है कि आरोपी मुंह में नकाब बांधकर आए थे और हथियारों के दम पर उन्होंने जमकर मारपीट और तोड़फोड़ की। काफी देर तक हंगामा करने के बाद आरोपी कार्यालय में रखी नकदी और अन्य कीमती सामान लूटकर ले गए। घटना के बाद संचालकों ने कंट्रोल रूम को सूचना दी। जिसके बाद थाना प्रभारी हरदुआगंज डीएसपी धनंजय समेत पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।पेट्रोल डलवाने के बहाने आए थे आरोपी हरदुआगंज के कलाई बंबा स्थित मोनिका इंटर प्राइजेज पेट्रोल पंप पर शुक्रवार देर रात 11 बजे लूट की घटना हुई। पीड़ितों ने बताया कि आरोपी पेट्रोल डलवान का बहाना लेकर वहां पहुंचे थे। उन्होंने गाड़ी दूर ही खड़ी कर दी थी और 3–4 लोग पैदल पहुंचे थ. ।मौका पाकर उन्होंने पेट्रोल पंप के कर्मचारियों को दबोच लिया और हथियार के बल पर उनसे मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने कार्यालय में पहुंचकर तोड़फोड़ भी शुरू कर दी। काफी देर हंगामा चलता रहा, लेकिन सर्दियों का मौसम होने के कारण किसी को पता नहीं चल सका। लूट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।खंगाले जा रहे हैं सीसीटीवी फुटेज घटना के बाद पुलिस ने पेट्रोल पंप और आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगालने शुरू कर दिए हैं। लेकिन रात में कोहरा होने के कारण आरोपियो की पहचान ठीक से नहीं हो पा रही है और उन्हें चिन्हित करने में भी पुलिस के सामने परेशानी आ रही है। हालांकि पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।जांच के लिए बनाई गई तीन टीमें हरदुआगंज थाना प्रभारी डीएसपी धनंजय सिंह ने बताया कि घटना के बाद मामले की जांच की जा रही है। सीसीटीवी देखकर आरोपियों की पहचान की जा रही है। घटना के खुलासे के लिए 3 टीमों का गठन किया गया है और जल्दी ही आरोपी पुलिस की हिरासत में होंगे।

सड़क सुरक्षा माह की सफलता के लिए जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

अलीगढ़ अपर जिलाधिकारी प्रशासन पंकज कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में 01 जनवरी से 31 जनवरी तक चलने वाले राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गयी।सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासनध्प्रवर्तन) ने बैठक का संचालन करते हुए बताया कि सड़क सुरक्षा माह का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु में विगत वर्ष से 50 प्रतिशत कमी लाना है। उन्होंने बताया कि संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए कार्ययोजना बनाने के उपरांत 06 जनवरी से 10 जनवरी तक सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया जाएगा और 11 जनवरी से 31 जनवरी तक सड़क सुरक्षा माह के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए स्थानीय स्तर पर कार्ययोजना के अनुसार सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि ट्रैक्टर–ट्रालियों में रेट्रो–रिफ्लेटिव टेप लगवाये जा रहे हैं।एडीएम प्रशासन ने अभियान की सफलता के लिए परिवहन एवं पुलिस विभाग को निर्देशित किया कि वह ट्रक, ट्रैक्टर समेत अन्य वाहनों पर रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगवाना सु. निश्चत करें। हेलमेट, सीटबेल्ट, मोबाइल फोन का प्रयोग, ड्रंकेन ड्राइविंग, ओव. रस्पीडिंग, ओवरलोड एवं गलत दिशा में वाहन चलाने एवं गलत तरीके से वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के विरूद्ध प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही की जाये। उन्होंने बीएसए एवं डीआईओएस को निर्देशित किया कि स्कूल–कॉलेजों में सड़क सुरक्षा सम्बन्धी विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता आयोजित कराएं और प्रार्थना के समय सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित नियमों के बारे में बताया जाये। रैली, नाटकों का आयोजन एवं स्कूल बसों के सभी प्रपत्रों एवं चालकों के ड्राइविंग लाईसेन्स एवं चरित्र प्रमाण पत्र का सत्यापन कराया जाये। उन्होंने टोल प्लाजा, बस स्टैण्ड एवं ट्रक, बस, ऑटो रिक्शा चालकों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए सीएमओ को शिविर लगाने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग को ब्लैक स्पॉट्स एवं दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों पर आवश्यक सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए गए।

निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने खैर सम्पूर्ण समाधान दिवस में जन शिकायतों का कराया निस्तारण

अलीगढ़ जिलाधिकारी विशाख जी0 की अध्यक्षता में तहसील खैर सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए चिकित्सा काउंटर एवं पंजीकरण काउंटर का निरीक्षण कर शिकायत रजिस्टर को अद्यतन करने के साथ ही अन्य आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में आए सभी शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को अनिर्वाय रूप से पंजीकृत किया जाए ताकि निस्तारण के उपरांत उसका फीडबैक लिया जा सके।सम्पूर्ण समाधान दिवस में खैर–जट्टारी मार्ग पर दुकानदारों के अतिक्रमण के संबंध में प्राप्त शिकायत पर डीएम ने एसडीएम, ईओ एवं सीओ खैर को दुकानदारों व व्यापारियों से वार्ता कर सड़क को अतिक्रमणमुक्त कराते हुए समस्या निस्तारण के निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में 47 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से समाज कल्याण, राजस्व एवं समाज कल्याण विकास विभाग की 10 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। जिलाधिकारी ने शेष शिकायतों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को संदर्भित करते हुए निर्देशित किया कि पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता से स्थलीय निरीक्षण कर निर्धारित समयावधि में शिकायतों का गुणवत्तापरक निस्तारण सुनिश्चित कराएं। सम्पूर्ण समाधान दिवस के उपरांत जिलाधिकारी ने रैन बसेरों में रह रहे जरूरतमंदों को शीत लहरी से बचाव के लिए कंबल भी प्रदान किया। इस अवसर पर सीडीओ प्रखर कुमार सिंह, एडीएम प्रशासन वित्त मीनू राणा, एसएसपी संजीव सुमन, डीडीओ आलोक आर्य, एसडीएम महिमा राजपूत, तहसीलदार कृष्ण गोपाल, सीएमओ डा0 नीरज त्यागी समेत सभी जिला व तहसील स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मुरादाबाद में अपहरणकर्ताओं से मुठभेड़, अपहरणकर्ता के लगी गोली, मैनेजर के परिजन रात में रवाना

जननायक सम्राट संवावदाता मनोज शर्मा हाथरस।अपहरणकर्ता फिरौती के 20 लाख रुपये लेने के लिए मुरादाबाद आए थे। एसटीएफ और हाथरस पुलिस ने सूचना के आधार पर अपहरणकर्ताओं का पीछा कर मुरादाबाद में घेर लिया। वहां पर मुठभेड़ हो गई।हाथरस में जियो फाइबर के मैनेजर के अपहरणकर्ताओं से एसटीएफ और हाथरस पुलिस की मुरादाबाद में मुठभेड़ हुई। जिसमें अपहरणकर्ता को गोली लगी। पुलिस ने अपहरण हुए अभिनव भारद्वाज को सकुशल बरामद कर लिया है। मैनेजर के परिजन रात्रि में ही मुरादाबाद चले गए। एसटीएफ और हाथरस पुलिस की मुरादाबाद में सिविल लाइंस क्षेत्र में देर रात अपहरणकर्ताओं से मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में अपहरणकर्ता विशाल को गोली लगी। पुलिस ने हाथरस से अपहरण किए गए जियो फाइबर के मैनेजर अभिनव भारद्वाज को सकुशल बरामद कर लिया है। मुठभेड़ में घाायल विशाल अल्मोड़ा जिले के धारानौला थाना के रजपुरा गांव का रहने वाला है। मुरादाबाद एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि हाथरस में हुए अपहरण के मामले में एसटीएफ और हा. थरस पुलिस की अपहरणकर्ताओं से मुठभेड़ हुई है। जिसमें विशाल नाम का व्यक्ति घायल हुआ है।बताया जा रहा है

कि अपहरणकर्ता फिरौती के 20 लाख रुपये लेने के लिए मुरादाबाद आए थे। एसटीएफ और हाथरस पुलिस ने सूचना के आधार पर अपहरणकर्ताओं का पीछा कर मुरादाबाद में घेर लिया। वहां पर मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में अपहरणकर्ता विशाल को गोली लगी और मैनेजर अभिनव भारद्वाज को छुड़ा लिया गया। कोतवाली हाथरस गेट क्षेत्र की नवल नगर कॉलोनी निवासी जियो फाइबर के मैनेजर का अपहरण कर लिया गया। उनकी 1 जनवरी को शाम सात बजे परिजनों से आखिरी बार बात हुई थी। परिजनों को अपहरण का पता तब लगा, जब उनकी पत्नी से फोन पर 20 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई। अपहरणकर्ताओं ने खुद को दिल्ली के कुख्यात टिल्लू ताजपुरिया गैंग से जुड़ा बताया था।बॉक्स हाथरस एसपी का कहनाहाथरस। जनपद हाथरस एसपी चिरंजीव सिंह सिन्हा ने बताया की थाना हाथरस गेट क्षेत्रांतर्गत निवासी एक व्यक्ति के अपहरण के संबंध में परिजनों की तहरीर पर थाना हाथरस गेट पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया । अपहृत की सकुशल बरामदगी व अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु थाना पुलिस व स्वाटध्सर्विलांस सहित 4 टीमों को लगाया गया है। तथा एसटीएफ टीम से समन्वय स्थापित किया गया था । टीमों के सफल प्रयास से अपहृत को सकुशल बरामद कर लिया गया है तथा अभियुक्तों से हुई पुलिस मुठभेड़ में आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी फायरिंग में 1 अभियुक्त घायलधगिरफ्तार तथा 2 अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। बॉक्सघर से नववर्ष की पार्टी के लिए निकले थे सिकंदराराऊहाथरस। एक जनवरी की दोपहर 1.16 बजे अभिनव अपने घर से पैदल निकले थे। घर से निकलते वक्त उन्होंने अपनी पत्नी से कहा था कि आज सिकंदराराऊ में जियो के सेंटर की विजिट करेंगे। इसके बाद जियो सेंटर के संचालक अतुल ने पार्टी देने के लिए कहा है, इसलिए रात में लौटने में देरी हो सकती है। यह कहकर अभिनव निकल लिए। बताया जा रहा है कि सिकंदराऊ के मिश्री होटल पर करीब सात बजे तक पार्टी हुई। इस दौरान स्वीटी से अभिनव की आखिरी बात हुई। इसके बाद परिजनों सवे बात होना बंद हो गया और अपहरणकर्ताओं की कॉल आना शुरू हो गई।बॉक्स पिता के लौटने की राह देख रहा बेटहाथरस। अभिनव के अपहरण की खबर से उनके परिजन दहशत में हैं। अपहरण की सूचना के बाद अभिनव के पिता प्रभात सिंह गाजियाबाद से यहां नवल नगर पहुंच गए और अपनी बहू को हिम्मत बंधाई। इधर, अभिनव का सात वर्ष का बेटा हंस भी अपने पापा के लौटने की राह देख रहा है। हंस कक्षा एक में पढ़ता है। दामाद के अपहरण की सूचना पर ससुर व अन्य ससुरालीजन भी घर पहुंच गए हैं। आलम यह है कि जैसे ही अपहरणकर्ताओं की कॉल आती है, परिजन डर जाते हैं। बॉक्स 20 लाख का कर लो इंतजाम, वरना नरेला से लाश उठा लेना...हाथरस। अपहरणकर्ता ने अभिनव भारद्वाज की पत्नी से फोन पर कहा कि प्रद्युम्न को कई बार फोन किया है। उसने फोन पर कहा कि मैं टिल्लू ताजपुरिया गैंग से मोंटी बात कर रहा हूं। तुम्हारे बंदे की किडनैपिंग हो चुकी है। पेमेंट का इंतजाम कर लो। हा. थरस के बंदे ने किडनैपिंग दी थी। दो दिन का टाइम दे रहे रहे हैं, बंदा दिल्ली में ही है आपका। टिल्लू ताजपुरिया गैंग का नाम सुना है, यू ट्यूब पर सर्च कर लियो। मोंटी दोसो मेरा नाम है, 15 साल से जेल से फरार हूं। 20 लाख रुपये की व्यवस्था कर लो। बंदा मिल जाएगा, नहीं चाहिए तो सुबह बंदे की लाश नरेला नाले से उठा लेना। नहीं तो तुम्हारे बंदे का पार्सल भेज देते हैं। अगर पेमेंट हो सकती है तो हां कहो या न कहो। अपहरणकर्ता ने यह तक कहा कि मुझे पैसे मिल गए तो मैं यह भी बता दूंगा कि किसने किडनैपिंग दी है हमें, क्यों उठवाया गया है। मुझे कितने पैसे दे सकते हो, वह बता दो। मुझे फाइनल रेट बता दे। 10 मिनट लास्ट हैं, तेरे पास।

कोहरे का कहर ट्रक में पीछे से जा घुसा कैंटर, चालक और हेल्पर गंभीर घायल

हाथरस। कोहरे का कहर जारी है। हाथरस रोड पर नारायण नेत्र चिकित्सालय के सामने दुधारू पशुओं से भरा कैंटर आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा घुसा। हादसे में कैंटर चालक और हेल्पर गंभीर रूप से घायल हो गए। घने कोहरे में दुधारू पशुओं से भरा कैंटर पीछे से ट्रक में जा घुसा। हादसे में कैंटर के चालक और हेल्पर गंभीर घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। सादाबाद में पिछले तीन दिनों से घना कोहरा पड़ रहा है, जिससे लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं। 4 जनवरी की सुबह करीब 7 बजे हाथरस रोड पर नारायण नेत्र चिकित्सालय के सामने दुधारू पशुओं से भरा कैंटर आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा घुसा। हादसे में कैंटर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। कैंटर चालक जाकिर पुत्र लियाकत और हेल्पर कालू खान पुत्र आजाद खान निवासी जीरी थाना पोरी शिवपुरी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए सादाबाद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

आबकारी टीम ने मदिरा के संदिग्ध ठिकानों पर की छापेमारी

जननायक सम्राट संवावदाता मनोज शर्मा हाथरस। आबकारी आयुक्त के आदेशानुसार नववर्ष के दृष्टिगत चलाये जा रहे विशेष आबकारी प्रवर्तन अभियान के क्रम में जिलाधिकारी जनपद के पर्यवेक्षण में आबकारी टीम द्वारा थाना हाथरस गेट अंतर्गत टुकसान ,बिछिया,नगला हेमा, लहरा , अहवरनपुर आदि विभिन्न संदिग्ध अड्डों पर दबिश एवं छापेमारी की कार्यवाही की गई। साथ ही उक्त क्षेत्रों में स्थित विभिन्न मदिरा की दुकानों का गहनता से स्टॉक का सत्यापन किया गया। इसके अति. रिक्त ग्राम टुकसान , बिछिया, इगलास –अलीगढ़ बॉर्डर क्षेत्र में स्थित विभिन्न ईंट भट्टों में श्रमिकों को अवैध मदिरा तथा उससे होने वाले दुष्प्रभाव के प्रति भी जागरूक किया गया। कार्यवाही के दौरान क्षितिज कुमार, आबकारी निरीक्षक सदर मय आबकारी स्टॉफ उपस्थित रहे।

आवश्यकता है
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला व्यूरो चीफमंडल व्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।
सम्पर्क करें -
अमित कुमार वर्मा -संम्पादक
मो:-8218049162,8273402499

जननायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित
सम्पादक-अमित कुमार वर्मा
सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा

सादाबाद में ऑर्गेनिक खेती से किसानों को फायदा रासायनिक उर्वरक से हो रहा नुकसान, दी गई थी चेतावनी

सादाबाद तहसील के किसान खेतों की पैदावार बढ़ाने के लिए खेतों में रासायनिक उर्वरक एवं पेस्टिसाइड आदि दवाओं का अंधाधुंध प्रयोग कर रहे हैं। देश को अनाज के लिए आत्मनिर्भर बनाने के लिए जब देश में हरित क्रांति लाई गई थी।कृषि वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी थी कि भविष्य में खेतों की पैदावार बढ़ाने के लिए इसका अधिक उपयोग किया जाएगा। अधिक प्रयोग करने अनेक प्रकार की बीमारियां पैदा होगीं। चेतावनी को किया नजरअंदाजकृषि वैज्ञानिकों की चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए किसानों ने खेतों में पैदावार बढ़ाने के लिए रासायनिक उर्वरकों, यूरिया, डीएपी, एनपी के साथ पे. स्टिसाइड और अन्य केमिकल दवाओं अधिक का प्रयोग शुरू कर दिया।न. तीजतन कहीं–कहीं पर उर्वरकों का अधिक प्रयोग करने से खेत की पैदावार कम होती गई। जिससे किसान काफी परेशान हैं।हो रही परेशानीपरेशान होने के बावजूद भी वह इन पेस्टिसाइड और रासायनिक उर्वरकों का खेतों में लगाने का मोह नहीं त्याग कर पा रहे हैं। इसका नतीजा अब साफ तरह से दिखाई दे रहा है कि आदमियों को विभिन्न प्रकार के रोगों ने घेर रखा है। कुछ रोग तो असाध्य हैं जिनका उपचार भी उपलब्ध नहीं है।ऑर्गेनिक खेती बना सहारासादाबाद तहसील के गांव पीहुरा में रेलवे से रिटायर होकर आए रेलवे कर्मी महेश चंद्र शर्मा अब पूरी तरह से किसान बन गए हैं।उन्होंने अपनी 6 एकड़ जमीन में पिछले 4 सालों से एक भी बार रासायनिक उर्वरक पेस्टिसाइड एवं केमिकल दावों का प्रयोग नहीं किया है। वह केवल ऑर्गेनिक खेती कर रहे हैं इसके साथ ही वह ऑर्गेनिक खाद खुद ही बनाते हैं और नित्य रोज नए प्रयोग करते हैं। उनका कहना है कि पहली साल उनके खेतों में केवल खाने–पीने का ही खाद्यान्न पैदा हुआ था। धीरे–धीरे उनकी पैदावार बढ़ती जा रही है।किसान लोग उनसे पहले ही आलू गेहूं सरसों के बीज बुक कर लेते हैं। किसान फार्म हाउस पर आकर बीज ले जाते हैं।अधिकारी भी आते हैंजिले के कृषि विभाग के अधिकारी भी उनके पास आने लगे हैं और उन्होंने भी आकर उनके द्वारा बनाई गई ऑर्गेनिक खाद और अन्य दवाओं वस्तुओं की जांच की है।उनका कहना है कि इस खाद्यान्न से इंसान की इम्युनिटी पावर बढ़ेगी और काफी हद तक उनको रोगों से छुटकारा मिलेगा।

सत्संग हादसे के आरोपितों की पेशी, 20 को अगली सुनवाई में आरोप तय कर सकता है न्यायालय

सिकंदराराऊ में साकार विश्व हरि के सत्संग में भगदड़ मामले में शनिवार को 10 आरोपितों की न्यायालय में पेशी हुई। न्यायालय में आरोप तय किए जाने के लिए बहस हुई। आरोपित पक्ष के अधिवक्ता एपी सिंह की बहस अभी जारी है। अब न्यायालय ने इस मामले में 20 जनवरी की तिथि नियत की है। अगली तिथि पर न्यायालय गिरफ्तार लोगों पर आरोप तय कर सकता है।दो जुलाई को सिकंदराराऊ के फुलरई में सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि का सत्संग हुआ था। इसके बाद भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस ने इस मामले में 11 आरोपितों को गिरफ्तार किया था। सभी के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है। 3200 पेज का आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया गया है। पुलिस ने 676 लोगों को गवाह बनाया है।इस मामले में मुख्य आरोपी देव प्रकाश मुधकर, मुकेश कुमार, मेघ सिंह, राम लढ़ेते, उपेंद्र सिंह, संजू कुमार, राम प्रकाश शाक्य, मंजू देवी, मंजू यादव, दुर्वेश कुमार, दलवीर सिंह को आरोपित बनाया गया है। मंजू देवी को जमानत मिल चुकी है। अन्य आरोपित अलीगढ़ कारागार में हैं। शनिवार को सत्र न्यायाधीश सतेंद्र कुमार के न्यायालय में 10 आरोपितों को पेशी के लिए अलीगढ़ कारागार से लाया गया है। अधिवक्ता एपी सिंह ने बताया कि बहस पूरी नहीं हो सकी है। न्यायालय ने सुनवाई की अगली तिथि 20 जनवरी तय की है। बता दें कि दो जुलाई को हाथरस में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। जानकारी के मुताबिक, हाथरस जिले के फुलरई गांव में बाबा नारायण हरि ऊर्फ भोले बाबा का सत्संग चल रहा था। इस सत्संग में 2.5 लाख लोग शामिल हुए थे।हाथरस की दुर्घटना पर मुख्यमंत्री ने दुःख जताया था और गहन जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 2–2 लाख तथा घायलों को 50–50 हजार की आर्थिक सहायता देने के आदेश दिए थे। मुख्यमंत्री ने स्वयं पल–पल के घटनाक्रम पर सीधी नजर रखी थी। उन्होंने दो मंत्री, मुख्य सचिव और डीजीपी को मुख्यमंत्री ने मौके पर भेजा था